eightfold.ai
presents
Oasis 23
GRIMOIRE GALORE
5TH EDITION | 27TH-31ST OCTOBER
in association with
acer & boAt
powered by
Cisco
दिवस 4 | अंक 4
स्मृति
हिन्दी प्रेस क्लब

संपादकीय

जीवन के सफर की तुलना अक्सर एक अनजान रास्ते से की जाती है, जिसमें खुशियाँ और दुख कब आ जाये, यह पहले से पता नही चलता है। हालांकि इस सफर में आने वाली चुनौतियों का आगाज तय नही होता, लेकिन एक बात स्पष्ट है - हम इस सफर में सीख प्राप्त करते हैं। यह सीख हमारे अनुभवों से प्राप्त होती है और हमें अपने जीवन में आगे बढ़ने की प्रेणना देती है।

ओएसिस अब अपने अंतिम चरण पर है। पिछले कुछ दिनों में, समय का कोई ठिकाना नही रहा है। यह ओएसिस अद्भुत था, जहाँ सभी लोग अपने रोजमर्रा की जिंदगी से अलग होकर कैंपस पर हो रहे इवेंट्स का आनंद ले रहे थे। इन सभी में विभाग के सदस्य उपस्थित प्रतिभागियों की सुविधा की जिम्मेदारी में जुटे थे।

कुछ महीने पहले, जब मुझे हिंदी प्रेस क्लब के ओएसिस समन्वयक की जिम्मेदारी दी गई, मैं खुश था, लेकिन आने वाली चुनौतियों के बारे में भी चिंतित था। परन्तु इन तैयारियों में मुझे सीनियर्स का भी भरपूर सहयोग मिला। ओएसिस 2019 में हिंदी प्रेस क्लब के समन्वयक की रितिक रंजन भैया ने फेस्ट में प्रबंधन और इवेंट्स को लेकर काफ़ी सहयता की।

मेरे और मेरे सहयात्री, विदित दशोरा ने एक दूसरे के साथ अच समन्वय बनाया और पूरे काम का विभाजन देखा। हमारे इवेंट "Bluffmaster" की सफलता का श्रेय हमारे क्लब के सभी सदस्यों को जाता है। इसके अलावा हम अपने न्यूज़लेटर के जरिये पूरे फेस्ट को प्रकाशित करने का कठिन काम करना पड़ता है, जिसमें सदस्यों को संपादन से लेकर फॉर्मेटिंग तक सब कुछ करना पड़ता है।

ओएसिस 4 दिन तक चलता है और एक ही समय पर कई इवेंट होते हैं, ऐसे में आप दोनों जगह पर नही हो सकते, इसलिए आपको किसी एक को चुनना पड़ता है। जीवन में भी ऐसे कई समय आते हैं जब हमें दो अच्छे विकल्पों में से एक को चुनना पड़ता है। हर किसी के जीवन में कुछ ऐसे अवसर आते हैं, जो पहले से पता नही होते। परन्तु यह हमें कुछ ऐसी सीख देते हैं, जो हमारे दिल में गहरी छाप छोड़ जाते हैं। इसलिए, जीवन में किताबी शिक्षा के बजाय हमें अनुभवों से मिली सीख को महत्व देना चाहिए।

अनुक्रमणिका

- सुखमंच से साक्षात्कार
- कमबख़्त कद्दू
- जीवन का मंच
- सरपट गाड़ी
- अन्ताक्षरी का नया रूप
- सच और झूठ का खेल

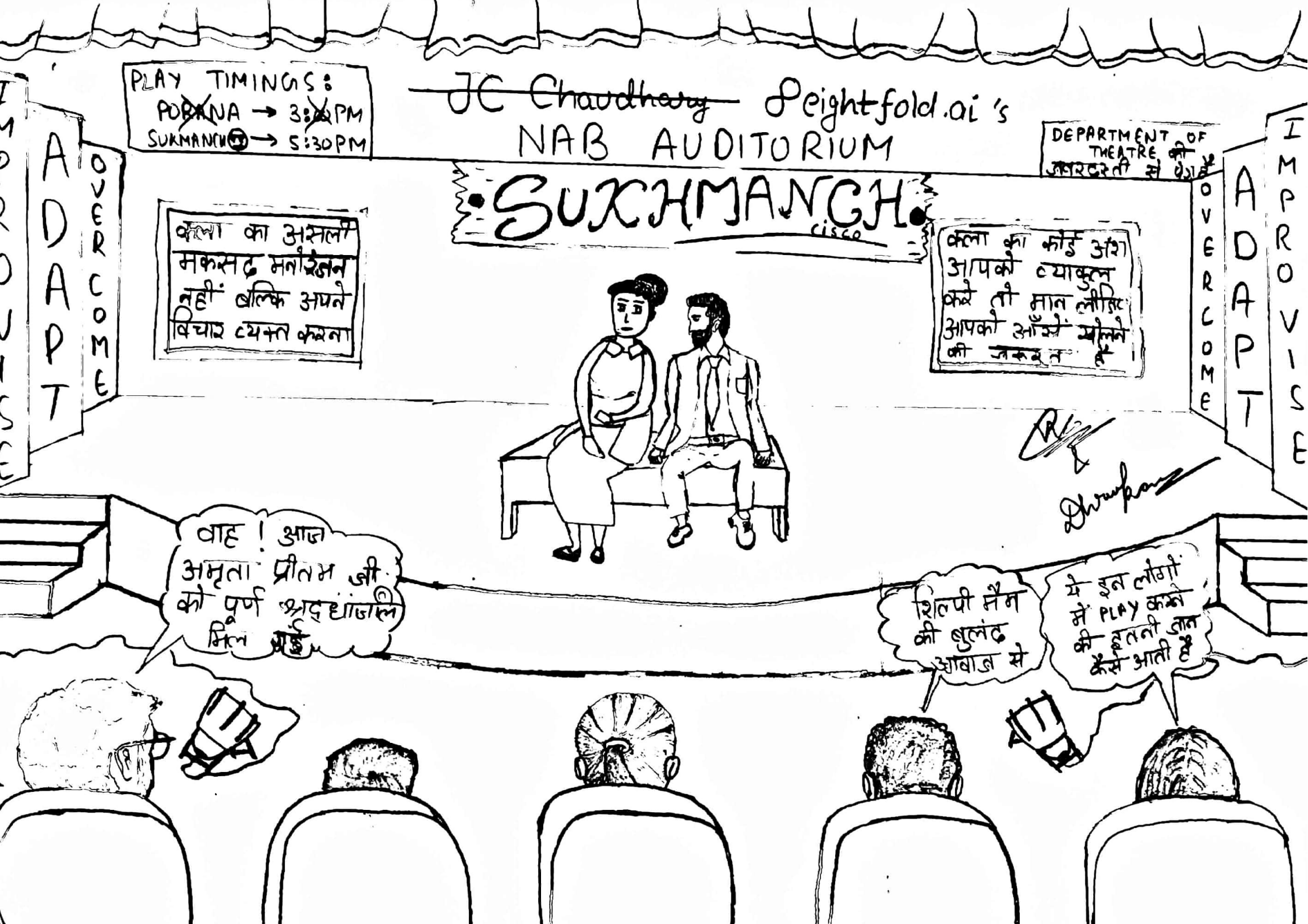

PLAY TIMINGS:
PURANA → 3:PM
SUKHMANCH → 5:30PM
JC Chaudhary
eightfold.ai's
NAB AUDITORIUM
DEPARTMENT OF THEATRE
SUKHMANCH
CISCO
कला का असली मकसद मनोरंजन नहीं बल्कि अपने विचार व्यक्त करना
कला का कोई अंश आपको व्याकुल करे तो मान लीजिए आपको आँखें खोलने की जरूरत है
IMPROVISE
ADAPT
OVERCOME
वाह ! आज अमृता प्रीतम जी को पूर्ण श्रद्धांजलि मिल गई
शिल्पी मैम की बुलंद आवाज से
ये इन लोगों मे PLAY करने की इतनी ताकत कैसे आती है
Dhruv

सुखमंच से साक्षात्कार

प्र1. हमारे दर्शक आपके बारे में निश्चित ही और भी कुछ जानना चाहेंगे, कृपया अपना एक संक्षिप्त परिचय दें।

उत्तर. सुखमंच की स्थापना 2017 में हुई थी, इसकी प्रमुख शिल्पी मारवार थी। बिट्स पिलानी से हमारा रिश्ता चार साल का है, हमने यहाँ पर कई नाटक किए हैं। संस्थापक महोदय नाटक कार्यशालाओं से आने वाली धन राशि का “Self Help Groups” के लिए व्यय करती हैं। वे पढ़ाती भी हैं और उससे आने वाली राशि को ऑडिटोरियम के लिये लगाती है ताकि कलाकारों के लिए सहायता मिल सके।

प्र2. आप चार वर्ष से बिट्स मे आ रहे है तो आपने इस कॉलेज को बदलते हुए देखा है। चार वर्ष पहले कि तुलना मे आज का ओएसिस का स्तर बढ़ चूका है। इस चीज़ को आप कैसे देखते है और आप इस वर्ष फेस्ट का कैसे आनंद ले रहे है?

उत्तर. मुझे तो आते हुए दूसरा साल ही है। मुझे पहले भी काफ़ी मज़ा आया था। यह प्र कई नयी और रोचक चीज़े हैं। हमारे पहले शो से ही हमरा बिट्स से एक बन्धन बन गया था जो साल दर साल और मज़बूत होता जा रहा था। हमारे साथ एक यादगार वाक्या हुआ है। एक महिला आज हमारा नाटक अपने तीन-चार साल के बेटे के साथ नाटक देखने आई थी और उन्होंने कहा की, वे तब से उनका नाटक देख रही है जबसे वो गर्भवती है। ऐसी ही कई बाते हमारे लिए एक प्रशंसा के समान होता है। बिट्स द्वारा हमारे लिए कराये जाने वाला प्रबंधन भी साल दर साल बेहतर होती जा रही है। वे हमें पूरे उल्लास से हर साल बुलाते है जिस वजह से यहाँ नाटक करना अब हमारे लिए लगभग कर्तव्य बन चूका है।

प्र3. आप हर साल किसी अलग विषय पर नाटक करते है तो उसका चयन कैसे करते है? आपने इस बार नारी परिपेक्ष्य के ऊपर नाटक प्रस्तुत किया, आप इसकी प्रेरणा कैसे लाते है?

उत्तर. प्यार का मुद्दा है जो कई फिल्मों में दिखाया जाता है। इस वजह से प्यार को देखने का एक दृष्टिकोण बन चूका है जो नही करना चाहिए। अमृता प्रीतम जी की कहानियों में भी इसका उल्लेख है। हमारा ये भी निरंतर प्रयास रहता है की हम हर बार कुछ नया विषय दर्शकों के सामने लाए, जो हमारे कई पुराने नाटकों में भी देखा जा सकता है। किसी भी विषय को डरा-धामका कर समझाना ज़रूरी नही है, उसे समझाने का और भी दूसरा तरीका हो सकता है जिसे दिमाग में रखना चाहिए। अमृता प्रीतम जी जैसे लेखक ही आज के ज़माने में भी ऐसी सोच रखते है। लोगों की ऐसी मंशा बन चूकी है की उन्हें हर चीज़ तुरंत चाहिए जिसे भी नाटक में डालने की कोशिश की गयी थी। इस पीढ़ी के बच्चों में, जिसमें कॉलेज के बच्चे भी बहुत हद्द तक सम्मिलित है उनके लिए प्यार का एक अलग मतलब बन चूका है जिसे सही करवाना, सच्चे प्रेम की सीमाओं के बारे में अवगत करवाना हमारा फ़र्ज़ है।

प्र4. अब हमारे बीच में प्रांजल सर भी आ चुके है, एक बार अपना भी संक्षिप्त में परिचय दे।

उत्तर. मैंने अपनी इंजीनियरिंग की पढाई बिट्स में ही करी थी, मेरी ब्रांच में मेनुफैक्चरिंग थी। मैं यहाँ से वर्ष 2021 में पास हुआ था और तब से ड्रामा कर रहा हू। कॉलेज के समय में मैं हिन्दी ड्रामा क्लब का भी एक सदस्य था और मेने 2021 के बाद सुखमंच में काम करना शुरू किया था। मैंने यहाँ 2.5 साल तक काम किया है और अब सत्यजित रे फिल्म्स में आगे काम करने के लिए कलकत्ता जा रहा हू।

प्र5. आजकल की युवा पीढ़ी बॉलीवुड मूवीस और OTT की वजह से लोग प्रभावित हो रही है जिस वजह से वह थियेटर से दूर हो रहे है। इस वजह से आपका काम और महत्वपूर्ण और मुश्किल हो जाता है। इस चुनौती से बचने के लिए आपकी क्या तैयारी है?

उत्तर. थियेटर में कलाकार की ट्रेनिंग लंबी और मुश्किल होती है। मूवीस इत्यादि से नाम रुतबा जल्दी मिलता है जिस वजह से लोग जल्दी पलट जाते हैं। इससे बचने के लिए कलाकारों को हर माध्यम में झाँक कर देखना चाहिए, सारे माध्यमों में समन्वय बैठा कर चलना चाहिए जिससे दर्शक भी उनके सारे पहलुओं पर ध्यान दे।

कमबख़्त कद्दू

आज मेस से निकला तो मुँह पर अपशब्द थे, क्योंकि आज खाने में बना था-कद्दू। इसी विचार को दिमाग में लिए चल रहा था कि पैर पर ठोकर लगी और मैं गिर पड़ा। आँखे खुली तो चारों ओर सिर्फ नारंगी रोशनी दिखाई दे रही थी। मैं हड़बड़ाकर उठा और चलने लगा तो पैर जैसे लसलसी ज़मीन में धंसने लगे। डर भी लग रहा था किंतु मैं चलता गया। रास्ते में मुझे एक कद्दू दिखा जिसने मुझसे पूछा कि तुम यहाँ क्यों आये हो? मैनें कहा कि मुझे नही पता यह सब क्या हो रहा है और कि मैं कहाँ आ गया हूँ। इस पर कद्दू ने जवाब दिया कि तुम जिस जगह पर ठोकर खाकर गिरे हो वह कद्दू के बगीचे नामक तिलिस्म का एकमात्र प्रवेश एवं निकास द्वार है। कद्दू ने मुझे बताया कि इस कद्दू की भूलभुलैया से निकलने हेतु मुझे एक खेल खेलना होगा अथवा मुझे जीवन भर इस कद्दू में उलझकर रहना होगा।यहाँ से सीधा चलो और जब तुम्हें एक अगला छोटा कद्दू दिखे तो वहाँ से दाएं हाथ पर मुड़ जाना। तुम खुद को एक कमरे में पाओगे और यही तिलिस्म से निकलने के लिए तुम्हारा पहला पड़ाव है।

मैंने जैसे ही कमरे में प्रवेश किया, अचानक से कमरे का दरवाज़ा बंद हो गया और मैं कुछ देख पाता उससे पहले ही चारों ओर अँधेरा पसर गया।

मैं उस कमरे में चारों ओर चलने लगा परंतु कोई निष्कर्ष नही निकल पा रहा था कि आगे क्या करना है? एक समय बाद मैं चलते चलते थक गया और बैठ गया। कुछ देर बाद आंख खुली तो मेरे आसपास कुछ भी नही बदला था। यह सिलसिला दो दिनों तक चलता रहा।

उसके बाद मैं दोबारा चलने के लिए खड़ा हुआ और चलते हुए मेरा पाँव एक दूसरे व्यक्ति की लाश पर पड़ा। मेरा डर अब एक नए मुकाम पर था किन्तु मैंने देखा कि एक ओर दीवार प्रकट हुई और दूसरी तरफ एक बहुत गहरी खाई नज़र आने लगी।

दीवार के ऊपर एक टॉर्च दिखाई दी और उस टॉर्च को मैंने जैसे ही जला के कमरे में घुमाया, उसी समय दीवार से एक कुत्ता निकल कर खाई की ओर भागा और वो खाई से कूद कर मर गया। तब मैंने पाया कि टॉर्च को एक खास चबूतरे की ओर मोड़ने पर ही वह कुत्ता दीवार से निकला था।

इस क्रिया को देखकर मैं सहमा ही था कि एक दम से एक साँप की हिसहिसाहट सुनाई दी। कुछ समझ न आने पर मैं अपनी दुम दबाकर भागने लगा। कुछ दूर भागने के बाद मुझे एक चिराग पड़ा मिला। मैंने उस चिराग़ को मसला और मेरी दुआएँ मानो भगवान ने सुन ली, उस चिराग़ से एक बहुत विशालकाय बाज़ निकला और उसने साँप पर धावा बोल दिया। साँप मारा गया और उस बाज़ ने मुझे अपने ऊपर बैठने के लिए इशारा किया। मैं उस बाज़ पर बैठा और वो मुझे एक बहुत सुंदर बगीचे को पार कराते हुए सीधा एक गुफ़ा में घुस गया। उस गुफ़ा में घुसने के बाद वो बाज़ एक स्थान पर रुक गया क्योंकि आगे जाने का कोई रास्ता ही नही था। उस बाज़ के मुँह से आवाज़ निकली कि आगे का सफ़र मुझे अकेले ही तय करना होगा और इस खेल का आख़िरी पड़ाव पार करके यहाँ से बाहर निकालना होगा वरना मैं इसी तिलिस्म में मर जाऊँगा। बाज़ ने बताया कि अगला पड़ाव मेरे शरीर से ज़्यादा मेरे दिमाग़ के लिए थकाने वाला होगा परंतु मुझे शांति से काम लेना होगा वरना मैं अपना एकमात्र अवसर गँवा बैठूँगा। ऐसे करने पर मैं इस तिलिस्म के और भी अंदरूनी जालों में फँसने लगूँगा और तब तक मैं प्यास से मारा जाऊँगा। अब गुफ़ा में एक छोटी-सी लकीर नज़र आने लगी और बाज़ ग़ायब हो गया था। मैं लकीर के अंदर घुसा और मैंने ख़ुद को एक चौराहे पर खड़ा पाया।

एकदम से पीछे जाने के दोनों रास्ते पत्थरों से ढक गए और एक आकाशवाणी हुई। तुम्हारे सामने केवल दो ही रास्ते हैं जिसमें से एक रास्ता तुम्हें तिलिस्म से बाहर लेकर जाएगा और दूसरा रास्ता तुम्हें मौत की ओर लेकर जाएगा। यहाँ पर तुम्हें दो पुतले खड़े हुए दिखाई देंगे। इनमें से एक पुतला हमेशा सच ही बोलता है और दूसरा पुतला केवल झूठ ही बोलता है। तुम इनमें से किसी एक ही पुतले से बस एक ही सवाल पूछ सकते हो। एक सवाल का जवाब देते ही ये दोनों पुतले पत्थर बन जाएँगे। इस एक सवाल के जवाब से ही तुम्हें फ़ैसला लेना होगा कि तुम्हें किस रास्ते पर जीवन मिलेगा और किस रास्ते पर मौत मिलेगी। इसका सही सवाल है कि “अगर मैं तुम से न पूछकर उससे पूछूँ कि कौनसा रास्ता जीवन का है, तो वह क्या जवाब देगा?”

अब आप बताइए कि जिस रास्ते की तरफ़ पुतला उँगली करता है, आपको उस रास्ते में जाकर जीवन मिलेगा या फिर दूसरे रास्ते में जाकर जीवन मिलेगा?

जीवन का मंच

हिन्दी ड्रामा क्लब ने ओएसिस पर इस बार नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। यह कार्यक्रम कुल चार साल बाद दिखाया गया। इसका आखिरी प्रदर्शन ओएसिस 2019 में हुआ था। यह क्लब के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती थी, क्योंकि क्लब के सदस्य पहली बार नुक्कड़ नाटक की तैयारी कर रहे थे। यह चुनौती, एक अवसर भी था, क्योंकि इसके द्वारा HDC ने ब्रिट्सियन के सामने अपना प्रभाव छोड़ने में सफल रहें। HDC की इच्छा यह है कि यह कला पुनः कैम्पस में पुनर्जीवित हो। उनका मानना है कि जैसे ओपेरा पश्चिम के संस्कृति का मूल्य हिस्सा है वैसे ही नुक्कड़ नाटक भारत की संस्कृति का मूल्य हिस्सा है। नुक्कड़ में किसी भी सामाजिक समस्या पर हास्य के माध्यम से लोगों को जागरुक किया जाता है और उस समस्या के समाधान के बारे में प्रस्तुत कराया जाता है। इस बात को ध्यान रखते हुए HDC ने मेस और सफ़ाई कर्मचारियों की व्यथा को व्यक्त करते हुए एक नाटक तैयार किया है। इस नाटक को संभव करने के लिए निर्देशक ने दूसरे कॉलेजों के नुक्कड़ नाटक भी देखें, जिससे वह अच्छे से अच्छे ढंग से नाटक प्रस्तुत कर सकें। करीब एक महीने इसपर अध्यन किया गया। फिर स्क्रिप्ट लेखन में भी काफ़ी समय लगा और कास्ट भी चुने गए, जिसमें सिर्फ बीस लोग शामिल थे। क्लब के सदस्य ने एक से डेढ़ महीने रोज़ दो घंटे अभ्यास करते थे जिसके कारण नाटक कि प्रस्तुति सफल रहा।

सरपट गाड़ी

ओएसिस हिन्दी प्रेस ने विनिर्माण मेनुफेक्चारिंग असोसिएशन के समन्वयक, जय अवस्थी, से बात की, ताकि वे ओएसिस '23 के लिए अपनी तैयारियों के बारे में चर्चा कर सकें। एमएनए रिमोट-कंट्रोल्ड कार रेसिंग प्रतियोगिता का एक सुधरे हुए संस्करण का आयोजन करने के लिए तैयारी कर रहा है। जय ने बताया कि संघ ने बेकार खिलौने कारों को फिर से उपयोग करने के लिए छोड़ दिया है और छोडी गई खिलौने की कारों को बनाने के लिए छः रिमोट-कंट्रोल्ड रेसिंग वाहन बनाए हैं। उन्होंने इन कारों की आवृत्तियों को संशोधित किया और उनके पुर्जे बदल दिए हैं, ताकि रेस के लिए तैयारी की जा सके। जय ने बताया कि पिछले साल की तरह, इस बार दौड़ किस किस्म के ट्रैक पर होगी, जिसमें भारी गड्ढों और ज़मीन के स्टारों के साथ अधिक रोमांचक घटना होगी। कारों का नियंत्रण पहले आए-पहले पाए विद्यार्थियों द्वारा किया जाएगा, हर खेल में अधिकतम छः छात्रों का रेस करेंगे। जब उनसे संघ के समन्वयक के रूप में उनके अनुभव के बारे में पूछा गया, तो जय ने कहा कि वह दौड़ के ट्रैक स्थापित करने के बारे में उत्सुक हैं और वह उम्मीद करते हैं कि इस घटना को पिछले साल की तुलना में, सुधार होगा। एक विदाई नोट पर, उन्होंने आशा की कि यह इवेंट उपस्थित लोगों के लिए यादगार बनेगा और लोग समझेंगे कि एमएनए का मज़ा उनके अनुमान से बहुत अधिक है।

अन्ताक्षरी का नया रूप

ओएसिस 2023 में कम्यूनो के स्टॉल में "गैसफ्लिक्स" नाम का खेल करवया गया। इस खेल में प्रतिभागियों को सही अंदाज़ा लगाया गया। इस खेल में तीन राउंड होंगे, जिनमें टीमों को प्रत्येक चरण में शब्दों का अनुमान लगाना होगा। यह राउंड फिल्म और आम दैनिक शब्दों पर होगा। पहला राउंड था, "हेड्स अप", जिसमें आम शब्दों का अंदाज़ लगाना है। इस राउंड में मुश्किल के साथ कुछ सरल शब्द भी थे। दूसरा राउंड था, "एमोजी", जिसमें एमोजी को देखकर अंदाज़ लगाना है। और तीसरा राउंड, "बॉलीवुड"। इस राउंड में अंदाज़ लगाने वाले शब्द के कुछ अक्षर पहले से दिए गए, और बाकियों का उसका अनुमान लगाना होगा। और तीनों राउंड में सही जवाब देने पर अंक दिए जायेंगे। सभी लोगों को इस स्टॉल पर काफ़ी मज़ा आया। अपने दोस्तों के साथ मिलकर सबने अपनी अंदाज़ लगाने की क्षमता की परीक्षा ले रहे थे। ये खेल काफ़ी दिलचस्प रहा। कम्यूनो ने ओएसिस 2023 में प्रशंसनीय काम किया है।

सच और झूठ का खेल

ओएसिस हिन्दी प्रेस ने ब्लफ़-मास्टर इवेंट का आयोजन कराया था। ब्लफ-मास्टर 2 पारियों में हुआ, जिसमें विजेताओं को ₹8000 के पूल से धनराशि से इनाम में दी गई थी। इवेंट दोपहर 2 बजे से शुरू हुआ और पहली पारी में 22 टीमों ने भाग लिया। पहला राउंड एलिमिनेशन राउंड था, जिसमें से 6 टीमों का चयन हुआ। जो टीम प्रश्नों के सबसे हास्यजनक उत्तर देगा, उसे ब्लफ-मास्टर राउंड खेलने को मिलेगा। पहले राउंड के परिणाम के बीच लोगों के मनोरंजन के लिए ओपन-माइक का भी आयोजन किया गया था, जहाँ लोग सामने आकर अपनी प्रतिभा दिखाई। किसी ने स्टेंडअप-कॉमेडी करी तो किसी ने शायरी से महफ़िल जमाई। दूसरी पारी शाम 4:20 को शुरू हुई, लग-भग 27 टीमों ने इस राउंड में भाग लिया। ये राउंड पिछले राउंड से काफ़ी मज़ेदार हुआ, ऐसा लग रहा था कि इन टीमों को खेल के नियम ज़्यादा अच्छे से समझ आ गये थे। इस पारी के ब्लफ़-मास्टर राउंड में आख़िरी सवाल पर बाज़ी पलट गई थी। जो टीम दूसरे पायदान पर थी उन्होंने सही ब्लफ-मास्टर को पकड़ कर खेल पलट दिया था और वो पहले स्थान पर आ गयी। लोगो ने इवेंट में खूब मज़े लिए और सबने खूब ठहाके लगाये। ओएसिस हिन्दी प्रेस का ये इवेंट काफ़ी सफल रहा और हम आशा करते है कि अगले वर्ष लोग इस से भी ज़्यादा उत्साह से ब्लफ-मास्टर में हिस्सा लेंगे।

DEPARTMENT OF THEATRE

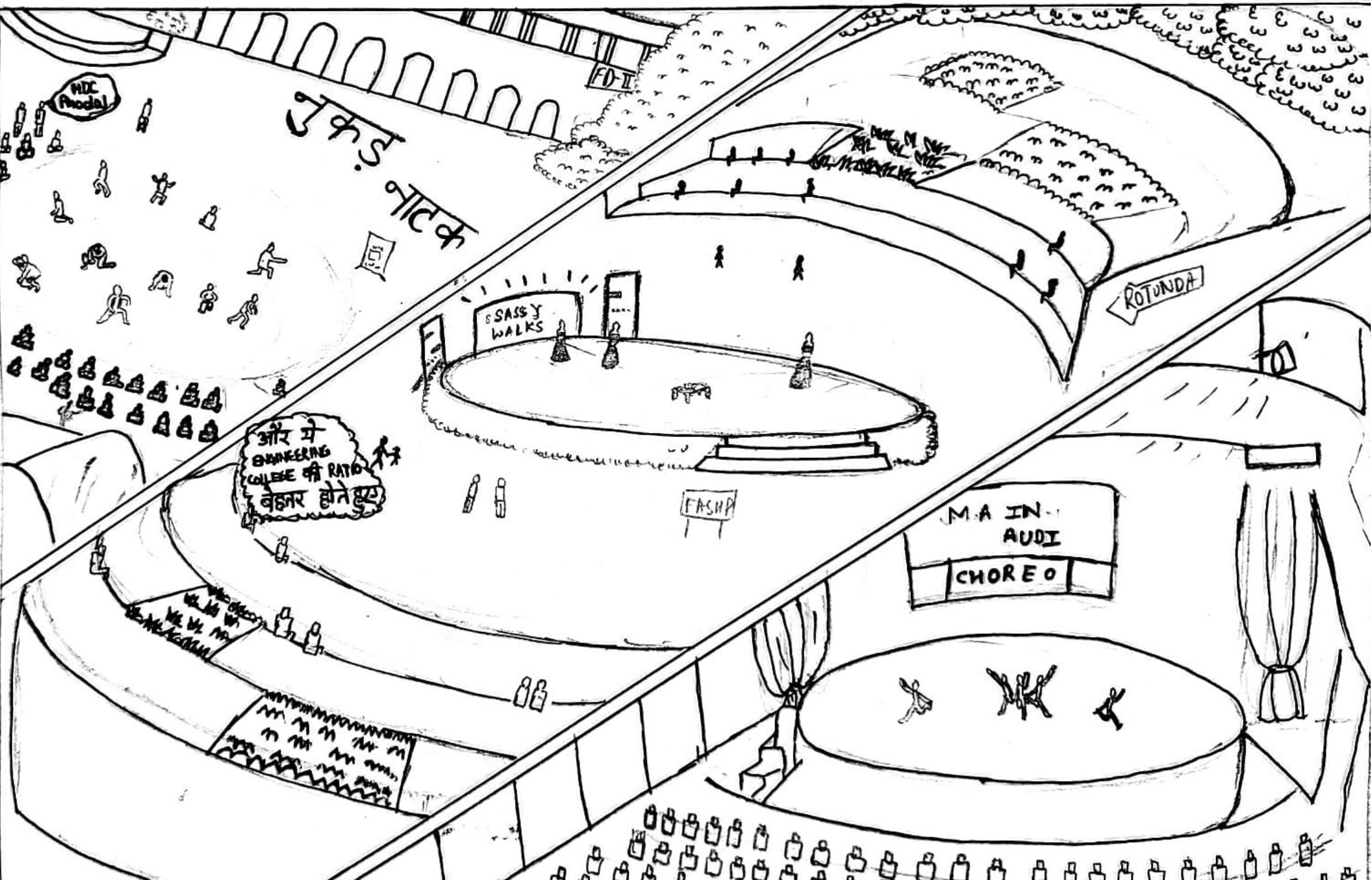

SKIPSTER

NUCLEYA

पोकर , ब्लफ़ बॉय

??, चलो चले , एक बार , ??, स्टॉल , ??

Mood Maker, Beauty with Brains, Ghost, Lagging, Anchor, DJ, Dead Inside, Kr$na, Aunty, No Filter

कंट्रोल्स लव , एडिटर , काको , सो गया , हो जाएगा ,जी भैया , आप कोन, अरे मालिक ,
ऐना सोंना कद्दू , नो आर्टिकल ,घर , मैं जाऊ ?, बेस्ट जोक्स , जब्बर्दस्ती,
ब्रो , विडियो कहा ?, फ्रंट पेज

Airplane Mode, पर्दे के पीछे, Benched, Dolo650, कामचोर, आँख का तारा, Fast AF, CarryMinati, Slides, Trusted, कपिल शर्मा, Switch Off

eightfold.ai presents Oasis 23
GRIMOIRE GALORE
5ST EDITION | 27TH-31ST OCTOBER
in association with acer & boAt | powered by Cisco